# नोएडा– दिल्ली लाइन ठीक करने की कोशिश नाकाम

# और कुछ दिनों तक हो सकती है बिजली की दिक्कत

नई दिल्लीः 24 जून, 2013। नोएडा–दिल्ली 220 केवी लाइन को ठीक करने की पहली कोशिश नाकाम हो गई है। इस वजह से, दिल्ली के लोगों को और कुछ दिनों तक बिजली संकट का सामना करना पड़ सकता है। वैसे, आज फिर इस लाइन पर काम शुरू किया जा रहा है, जो अगले कुछ दिनों तक चलेगा।

दरअसल, उत्तर प्रदेश ट्रांसमिशन लाइन में गड़बड़ी की वजह से दिल्ली के लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ रहा है। नोएडा– दिल्ली 220 केवी ट्रांसमिशन लाइन में पिछले करीब 10 दिनों से गड़बड़ी चल रही है। बीवाईपीएल के अनुरोध पर दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन को नोएडा–दिल्ली लाइन ठीक करने के लिए जरूरी उपकरण जैसे जॉइंटिंग किट और केबल स्पूल आदि उपलब्ध कराए थे। लेकिन लाइन को ठीक करने की कोशिश कामयाब नहीं हो सकी। आज दुबारा इसे ठीक करने का काम शुरू किया जा रहा है।

बिजली का यह संकट और गहरा होता, लेकिन डिस्कॉम्स दूसरे माध्यमों से अपने उपभोक्ताओं तक बिजली पहुंचाने की लगातार कोशिश कर रही हैं। दिक्कत उस वक्त ज्यादा होती है, जब बिजली की डिमांड बहुत अधिक बढ़ जाती है खासकर रात 8 से रात 12 बजे के बीच। तब वैकल्पिक माध्यमों से बिजली की डिमांड को पूरा करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि एक मुख्य स्रोत में ही खराबी है।

डिस्कॉम्स अधिकारियों के मुताबिक, वे उपभोक्ताओं की परेशानियों को समझ सकते हैं क्योंकि दिल्ली में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है और उमस भी बहुत ज्यादा है। फिर भी, वे उपभोक्ताओं से अपील करते हैं कि पीक आवर में एसी का थोड़ा कम इस्तेमाल करें, खासकर रात 8 बजे से रात 12 बजे के बीच। जो उपभोक्ता अपने घर में चार–पांच एसी चला रहे हैं, उनसे अपील की जाती है कि पीक आवर में एक– दो एसी से ही काम चलाएं। इससे अन्य उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने की कोशिश कामयाब होगी।

वैसे, दिल्ली की डिस्कॉम्स ने पहले ही बिजली की पूरी व्यवस्था कर रखी है। नेटवर्क की मरम्मत और रखरखाव का काम भी 31 मार्च से पहले ही पूरा किया जा चुका है। लेकिन, नोएडा–यूपी लाइन में खराबी की वजह से पूरी बिजली दिल्ली नहीं आ पा रही है। जैसे ही यह लाइन बहाल होगी, दिल्लीवासियों को भरपूर बिजली मिलनी शुरू हो जाएगी।

## दिल्ली में क्यों होता है बिजली का संकटः

दिल्ली अपनी बिजली संबंधी जरूरतों के लिए काफी हद तक बाहर के राज्यों पर निर्भर है। ज्यादातर बिजली अन्य राज्यों में स्थित पावर प्लांटों से यहां आती है। दूसरे राज्यों से होकर गुजरने वाली ट्रांसमिशन लाइनों से ही बिजली दिल्ली लाई जाती है। इस कारण, बाहर के किसी पावर प्लांट/ ट्रांसमिशन लाइन में खराबी का असर दिल्ली पर पड़ता है और यहां के लोगों को संकट का सामना करना पड़ता है।

---